DATE :
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग का एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:- 09 दिनांक 05/07/2021

ZOOM0003 AINY स्थान लखे की ढाणी बाड़नावा चारणान्

ट्रैक समयावधि 38:07

कलाकार का नाम:- (नेकू खा) गायन/वादन

पिता का नाम सिन्धे खा

पता→ गाव.बाड़नावा चारणान् तह पचपदरा जिला बाड़मेर राजस्थान (344032)

सहायक कलाकार

1

2

3

ओडियो, विडियो रिकॉर्डिंग का समय

विषय- कथा (भाग्य और अकल पर आधारित कथा)

विशेष विवरण

यह काथा कर्म (भाग्य) और अलक (बुद्धी) पर आधारित है। एक दिन अचानक तलाब के किनारे अलक और भाग्य मे झगड़ा हो जाता है। भाग्य अकल से केहता है कि मैं तुमसे बड़ा हूँ अकल भाग्य से केहती है कि तुम अपने आप को इतना बड़ा मत समजो अगर मे तुम्हारा साथ नहीं दू तो तुम कुछ भी नहीं कर सकते। इतने में एक ग्वाला अपने जानवारों को लेकर तलाब पर आता है और अपने जानवारो को पानी पिलाने लगता है और खुद भी पानी पिता है।

तो वह भी अपने जानवारो की तरह पानी पीने लगता है। इतने में एक राजपूत भी वहा पहुंचता है। वह भी अपने ऊँट को पानी पिलाता है और खुद भी पानी पिता है। तब अकल-भाग्य से कहती है कि अगर मे इनमें से निकलकर इस ग्वाले में चली जाऊ तो। तो उस समय भाग्य केहता है की तुम भले ही निकल जाऊ मे इसके साथ मे हूँ

तो अकल उस राजपूत से निकलर ग्वाल में चली जाती है। तो वह राजपूत उसे अपनी पोशाक और ऊँट दे देता है और उसके बदले में ग्वाले के कपड़े और जानवर ले लेता है। अब वह जानवरों की तरह ही व्यवहार करने लगता है। तब अकल भाग्य से केहती है देखा मेरा बिना तुम कुछ भी नहीं हो तो भाग्य केहता है कि मैं इनके साथ हूं तुम्हारी कोई जरूरत नहीं है।

धीरे-धीरे मौसम में बदलाव आता है और बारिश का मौसम आता है। तो सारे लोग खेती करने लगते है। उस समय ये राजपूत भी खेती करता है। इनके खेत में अनाज की जगह हीरे-मोती पनपते है लेकिन ये उनका इस्तेमाल जानवरों के पीछे फेंकने मे करता है। एक दिन वहा एक मणिहार आता है। और उस राजपूत से हीरे-और मोती और एक बेहद खूबसूरत चौपड़पाशा महज गुड़ के बदले ले जाता है।

मणिहारा बहुत सारे हीरे-मोती और चौपड़-पाशा लेकर अपने घर आ जाता है। तो वह उस खूबसूरत चौपड़ को दरबार को भेट करता है। दरबार उसे बहुत बहुत पसन्द करते है और उसे रानिवास में रानियों के पास भेज देता है। वहा दरबार की लड़की भी उस चौपड़ पाशे को देख लेती है। और दरबार से केहती है की अगर मै शादी करूंगी तो सिर्फ इस चौपड़ पाशे के मालिक से। नहीं तो आजीवन कुंआरी रह जाऊंगी।

जब सुबह होती है तो दरबार उस मणिहारे को अपने दरबार मे हाजिर होने को कहता है। मणिहारा वहा आता है और दरबार उससे पूछते है की तुम ये चौपड़ कहा से लाये हमें उस आदमी की तलाश है। तुम जाओ और उसको पकड़कर हमारे सामने लाओ। मणिहारा चार व्यक्ति को अपने साथ लेकर जाता है। और उस राजपूत को पकड़कर दरबार के सामने पेश करता है।

दरबार अपनी बेटी का विवाह उस राजपूत से करा देता है। तो अकल तो उसके पास थी नहीं, भाग्य उनके साथ था। जब रात को वह अपनी पत्नी के महल में उनके पास गया तो वह बिलकुल खामोश था। वह कुछ भी नहीं बोल पा रहा था। राजकुमारी के बहुत प्रयासों के बाद भी वह बोलने को तैयार नहीं था। लेकिन वो सब कुछ सुन पा रहा था। तभी राजकुमारी ने अपनी ~~दास~~ दासियों से कहा की इसको महल की खिड़की से नीचे फेक दो।

वह फिर भी चुपचाप था। दासियां उन्हें पकड़कर महल की अलमारी तक ले आई और धक्का देने लगी। इससे पहले उसने इस बारे में एक और राजकुमारी से पूछना बेहतर समझा। उस समय अकल ने भाग्य से कहा अपनी जिद छोड़ दो मैं इन्हें अभी भी बचा सकती हूँ। नहीं तो ये दासियां वापस आकर इसे नीचे गिरा देगी और ये मर जायेगा अभी समय है तुम्हारे पास।

तब भाग्य बोला की तुम तो मुझसे बड़ी हो अब इसको बचा लो। भाग्य का इतना कहना था कि अकल उस राजपूत के अन्दर चली जाती है। तब एक दासियां भी वहां आती है उसे धक्का देने के लिए। अब उसमें अकल प्रवेश कर चुकी थी। जैसे ही वह दासियां उनके पास आई तो वह हसने लगा। और कहा तुम और तुम्हारी राजकुमारी मिलकर मुझे मारने वाली थी।

मैं कुछ देर नहीं बोला इसका मतलब की तुम मुझे मारने लग गई, मुझे ऐसी सही मेरे घर में ही नहीं रखनी। फिर वह राजकुमारी उससे माफी मांगती है। और वह उसे माफ कर देता है। फिर वह राजपूत माणिहारे के पास जाता है और कहता है कि तु मेरे जितने भी हीरे मोती लाया है वह सब वापस कर दे। तब भाग्य को पता चलता है कि अकल के बिना मेरा कोई मूल्य नहीं है। ये थी कहानी भाग्य और अकल पर आधारित बेहद खूबसूरत।